



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 125]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 14, 1985/ज्येष्ठ 24, 1907

No. 125]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 14, 1985/JYAISTHA 24, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

राजिष्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना संख्या-16-आई टा स (ए एन)/85-88

नई दिल्ली, 14 जून, 1985

विषय :- बिहार राज्य जल-विद्युत निगम लि. (बि. एच. पी. सी.) का
पूर्वी गण्डक नहर जल-विद्युत परियोजना के कार्यान्वयन के निम्ने
जापान का विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा
लागू किए गए 1.63 बिलियन येन के येन क्रेडिट के अधीन आयात
आवश्यकताओं के प्रायोजनों के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

मि. सं. धारण सं (23)/(17)/84-85 :- बिहार राज्य जल-
विद्युत निगम लि. का पूर्वी गण्डक नहर जल-विद्युत परियोजना का आयात
आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए जापान का विदेशी आर्थिक सहयोग
निधि द्वारा लागू किए गए 1.63 बिलियन येन क्रेडिट के अधीन आयात
आवश्यकताओं के प्रायोजनों को शामिल करने वाली शर्तें जो प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना
के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधिसूचित क जात हैं।

श्री इन्द्र त्रिपाठी, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

राजिष्य मंत्रालय का सार्वजनिक सूचना सं. 16 आई टा स (ए एन)/
85-88 दिनांक 14.6.85 का परिशिष्ट

बिहार राज्य जल-विद्युत निगम लि. (बि. एच. पी. सी.) का
पूर्वी गण्डक नहर जल-विद्युत परियोजना के कार्यान्वयन के लिए
जापान का विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा
लागू किए गए 1.63 बिलियन येन के येन क्रेडिट के अधीन आयात
आवश्यकताओं के प्रायोजनों के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खंड-1 सामान्य शर्तें :-

1(1) बिहार राज्य हाईड्रो विद्युत निगम लि. (बि. एच. पी. सी.)
की पूर्वी गण्डक नहर हाईड्रो विद्युत परियोजना का आयात
आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए जापान का विदेशी आर्थिक
सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा प्रदान किया गया 1.63 बिलियन
येन का ऋण भारत सहित जापान और विकासशील देशों के
लिए सामूहिक है। तबनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त क
जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबंध-1 की सूची में
उद्धृत सप्त देशों भारत सहित से आयात की जा सकती हैं। वे
देश इस ऋण के प्रतर्गत पात्र स्रोत देश होंगे।

- 1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्ही मदों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महाविदेशालय, तकनीक, विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निष्कास कर द. गई हो। इस क्रेडिट के अन्तर्गत जारी किए गए आयात लाइसेंस (मों) का मूल्य 1.8 विलियन (लागत ब.मा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य, राजस्व विभाग (स.मा-मुल्क) द्वारा अधिसूचित विनियम वर और आयात लाइसेंस जारी करने के तिथि को प्रचलित वर और मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात द्वारा जारी क. गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आई. ट. म. (प.एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतित वर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह भी उल्लेख है कि सीमा-शुल्क प्राधिकार और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारों आयात लाइसेंस (मों) में चिनि-दिष्ट मुद्रा विनिमय वर पर लाइसेंस के मूल्य को उसके नामे डालेंगे। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन क्रेडिट सं. आई. डी- प. 31" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्येक के लिए लाइसेंस में "एम/जेम." कोड़ होगा। सी. एन. प. मा. को आयात लाइसेंस भेजते समय मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात के पत्र में मा. इसे दुहराया जाएगा, जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित क. जायी चाहिए।

- 1(3) लागत-ब.मा-भाड़ा के आधार पर केवल आ. एच. प. मा. के नाम में लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

- 1(4) जो एच. प. मा. का सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य 1.8 विलियन येन (लागत - ब.मा-भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (1) में कहा गया है।

- 1(5) पूँजीगत माल के आयात के लिए लाइसेंस 24 महीनों के आरंभिक वैधता अवधि के लिए जारी किए जा सकते हैं। आने और वृद्धि करने के लिए नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए अनुरोध यदि कोई हो, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

- 1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तपोषित किए जाने वाले आयात, आयात लाइसेंस प्राधिकारों द्वारा विधिवत मत्वापित संबद्ध माल और सेवाओं के सूची तक प्रतिबंधित है।

- 1(7) विदेश, मुद्रा के किता. भा. परेषण का अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं द. जाएगा, भारत य अधिकर्ता के कर्मचारी के प्रति कोई भा. भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारत य रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और इसलिए लाइसेंस पर ह. प्रचारित किए जाएंगे।

- 1(8) उसके आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी, संभरकों को जहाज पर निशुल्क लागत और भाड़ा के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने के तिथि से 4 महीनों के अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिये जाने चाहिए। ब.मा प्रभार का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। "उसके आदेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंसधार. द्वारा दिए गए उन क्रय आदेशों से है जो विदेश, संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हों या भारत य आयातक और विदेशी संभरक दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क. संविदा हो। विदेशी संभरकों के भारतीय अधि-कर्ताओं के आदेश या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं हैं।

- 1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों का, इस शर्त का सब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीनों के भीतर वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को न पहुंच जाएं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(4) में यथा उल्लिखित उसके आदेश किन्ही वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सके। इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधार. को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकार को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने के अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने के तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिये मांग जात है तो ऐसे प्रस्ताव निरप-वाध रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली, को भेजे जाएंगे जो कि ऐसे वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले का, पात्रता के आधार पर विचार करे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदा-धिकारी, आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारंटी साख पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र तुल्य रूपया जमा कराने आदि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देगे।

- 1(10) आयात लाइसेंस का समाप्ति से चार महीने के भीतर सभ. भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर असंग असंग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर आयात पोतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होना चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किस. भा. किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं द. जाएगी। माल के वितरण के अवधि के लिए ठेके में निम्न-लिखित अनुसार व्यवस्था होनी चाहिए :-

"साख पत्र के प्राप्ति के बाद—मह. ने परन्तु अधिक से अधिक—के अंत तक पूर्ण किया जाना है"।

पोतलदान के लिये आखिर तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31.12.88 के बाद का न हो।

अंड-2 संभरण का समझौता करते समय ध्यान में रख जाने वाले बातें

- 2(1) ठेके का जहाज पर्यंत निशुल्क मूल्य लागत और भाड़ा मूल्य येन में (येन के भिल्ल के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारत य अधिकर्ता का कमशन यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारत य रुपये में चुकाना चाहिए। भारत य रुपए या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किस भा. परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। अन्य आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेज. में होना चाहिए।

- 2(2) पूर्वी गन्धक नहर जल-विद्युत परियोजना के लिये ओ. ई. स. एफ. वे येन क्रेडिट के अधीन वित्तपोषित किए जाने वाले सभ. माल और सेवाओं का अधिप्राप्ति ओ. ई. स. एफ. ऋण के अधीन अधिप्राप्ति के लिये मार्गदर्शन बिन्दुओं के अनुसार क. जाएंगे।

(क) आयातक सामान्य खुली अंतर्राष्ट्रीय निविदा के माध्यम से ऋण की रकम में से वित्तपोषित किए जाने वाले भाग और सेवाओं के अधिप्राप्ति करेगा।

(ख) यदि आयातक सामान्य खुली संतरीद्वय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधियाँ अपनाता चाहता है तो वह अधि-प्राप्ति पद्धतियों के अनुमोदन के लिये एक विधिवत प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित आवेदनपत्र आर्थिक कार्य विभाग के माध्यम से निधि को प्रस्तुत करने हुए उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त करेगा।

2(3) विदेशी संभरक का भुगतान, उनके नाम में भारतय बैंक टोकियो द्वारा 1984-85 के लिए एम. ई. सी. एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-31 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए जिसका न्योरा नीचे खंड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा का जाना चाहिए। लेकिन कुछ विवेक मामलों में एक से अधिक संविदा करने का अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिये आयात लाइसेंस जारी होने का तिथि के तुरन्त बाद बिल मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान विभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होने या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा प्राप्त की व्यक्ति होने।

2(6) अपात्र स्रोत देशों में अनुमेष आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका निन्दान किया जा सकता है वगैरें कि निम्नलिखित सूचके अनुसार ऐसे उत्पाद का प्रति एकक का मूल्य मक्का आधार पर आयातित प्राग 30 प्रतिशत से कम हो :-

$$\frac{\text{आयातित प्रागत-बीमा भाड़ा मूल्य} + \text{आयातक शुल्क}}{\text{संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य}} \times 100$$

(भारतीय संभरक के मामले में कारखाने पर कीमत अपनाई जाएगी।)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा मात्र एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी, मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूचके अनुसार 30 प्रतिशत से कम है :-

$$\frac{\text{आयातित प्रागत-बीमा भाड़ा मूल्य} + \text{आयात शुल्क}}{\text{संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य}} \times 100$$

(जहाँ कारखाना मूल्य लागू हो)

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा स्थापित करता हूँ कि (पात्र स्रोत देश का नाम) में (कम्पनी का नाम) समा-विष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और (पात्र स्रोत देश का नाम) के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।

खंड 3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3 (1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समा-विष्ट होने चाहिए -

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (आईसीएफ) के बीच की एच पी सी की पूर्वी गण्डक नहर जल-विद्युत परियोजना के लिये येन क्रेडिट सं. आई डी पी-31 (परियोजना सहायता) से संबंधित-26 दिसम्बर, 1984 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होना चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरणों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (आईसीएफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आईडीपी-31 से संबंधित 26 दिसम्बर, 1984 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों का प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर आईसीएफ द्वारा येन ऋण के अर्धत अपेक्षित हों।

(घ) उपर्युक्त 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरण संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पात्र परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास टोकियो को शामिल मात्र की सुपुर्दगी के कार्यक्रम से अक्षत करायेगा और पोत लदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास का सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है जापानी संभरक को प्रत्येक पोतस्थान के पश्चात् आवश्यक व्यौरें बताने हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (आईसीएफ) द्वारा ठेके का अनुमोदन

4(1) लाइसेंसधारी को पहले आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर बीएचपीसी और संभरक दोनों द्वारा विधिवत हस्ता-क्षरित ठेके की चार प्रतियाँ जो संभरक द्वारा लिखित में पुष्टि आदेश के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियाँ संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियाँ सहित, जापान अनुभाग आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली [को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विषय-वस्तु के लिए अनिवार्य आशोधनों के कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होगी।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) जापान अनुभाग बीएचपीसी की पूर्वी गण्डक नहर जल-विद्युत परियोजना के लिए येन क्रेडिट सीआईडीपी-31 (परियोजना सहायता) के अंतर्गत वित्तधान सहकारिता करने के लिए विदेशी आर्थिक निधि (आईसीएफ) को संविदा दस्तावेजों की एक प्रति उनके अनुमोदन के लिए भेजने की व्यवस्था करेगा।

खण्ड-5 विदेशी संभरणों को भुगतान-साक्ष्य पत्र क्रियाविधि

5(1) विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (आईसीएफ) से ठेके के अनु-मोदन की सूचना मिलने पर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य

विभाग द्वारा बीएचपीसी और सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, को उसकी सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद बीएचपीसी को सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक (जिसे इसके बाद सीएएण्ड ए कहा गया है) आधिकार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, मुंबई बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग नई दिल्ली से अनुबंध-3 के रूप में संलग्न प्रपत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध करना चाहिए। जो संबंध विदेशी, संभरक के नाम में संलग्न अनुबंध-4 (आयातों के लिए) के रूप में या अनुबंध-5 (सेवाओं के लिए) के रूप में अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र खोलने के लिए बैंक ऑफ इण्डिया की टोकियो शाखा को भेजा जाना चाहिए। प्राधिकार पत्र की प्रतियां विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (आईसीएफ), भारतीय दूतावास, टोकियो भी एचपीसी भारत में आयातक के बैंक और आपान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को भी पृष्ठांकित की जाएगी।

- 5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर बैंक ऑफ इण्डिया टोकियो अनुबंध-4 (आयातों के लिए लागू होता है) या 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक-रक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (आईसीएफ) भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी ए एण्ड ए से प्राधिकार पत्र के आधार पर साक्ष्यपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक मामले जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साक्ष्य पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साक्ष्य पत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक ऑफ इण्डिया टोकियो को प्रस्तुत करेंगे। यदि दस्तावेज सहोपाए गए तो बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिलीज करेगा और उसके साथ आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साक्ष्य पत्र खोलने, उसके अधीन सौदा करने और यदि कोई विदेशी संभरकों के बैंकों के अन्य प्रभारों के लिए बैंक ऑफ इण्डिया टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार आयातक/विदेशी संभरकों द्वारा चुकाए जाएंगे। उस अधि के लिए बैंक ऑफ इण्डिया टोकियो को देय बैंक प्रभार जो कि उनके द्वारा आयातों की कीमत के भुगतान की तारीख से ओ ई सी एफ द्वारा विदेशी संभरकों को प्रतिपूर्ति की तारीख तक होगा, का निपटान, भारत सरकार के लेख को प्रभावी किए बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से बैंक ऑफ इण्डिया के लिए प्रेषण द्वारा भारत में आयातक के संबंध बैंक द्वारा किया जाएगा।

5(5) प्रति पूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल एवं सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की धनराशि के वितरण के लिए क्रियाविधि, ऋण सममिति के साथ नए की गई प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

प्रति आपानो येन के लिए भारतीय रुपए का विनिमय दर, निर्देश (गाइडलाइंस) की धारा 4.07 में यथा विशिष्टित बोली खुलने की तारीख को प्रचलित दर होगी। प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन के साथ ऋणी माध्यताप्राप्त बैंक से एक प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करेगा जिसमें बोली खुलने की तारीख को येन रुपए की विनिमय दर का स्थापन किया जाएगा

खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतित अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंक को निराश्रय रूप में परामर्श जहाजरानी दस्तावेज रिहा होने से पहले इस बात को सुनिश्चित करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, लॉन्ग ह्वारी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब से गिनी गई येन भुगतान के समतुल्य रुपए के लिए ब्याज प्रभार और वास्तविक रुपया निक्षेप की तारीख से विदेशी संभरक को बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से ब्याज प्रभार की मूल धनराशि के साथ सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83 दिनांक 10-8-73 के अनुसार जमा कराने पड़ेंगे। इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिए कि इन दोनों दिनों अर्थात् जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 12-10-74 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 के अनुसार ब्याज लिया जायेगा।

इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने ऋणदाताओं से दस्तावेजों की सुपूर्दी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी गई है भले ही जब वे विवेक परिस्थितियों के अंतर्गत सामा. मुक्त प्राधिकारियों से माल की सुपूर्दी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की सुपूर्दी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बंद कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात साइसेंस जारी न किए जाएं। निम्न लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप जमा किया जाएगा यह "के डिपोजिट एंड एडवांसमेंट-843-निविल डिपोजिटरी-डिपोजिट फार परचजिज एटस्ट्रा एंडोड परचजिज एंडर क्रेडिट्स/बोन एग्रैमेंट" (बोन फॉम पि नननेमेट ऑफ आपान 1.63 बिलियन येन क्रेडिट सं. आई डीपी-31 फार दि ईस्टन जेडक केनाल हार्डड्रोइसैक्टिक प्रोजेक्ट" होता चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, लॉन्ग ह्वारी, दिल्ली में पालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेन देते हुए सरकार की साक्ष में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-1968 सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर संबंध भारतीय बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से यह अधिरक्षित धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। बालान के विभिन्न फालों को भरते समय आग तक/उत्ते बैंकों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित

सूचना चालान के फालन "घन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे में निरपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।
 (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाते हैं।
 (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी ए ए एंड ए द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पीत परखहन दस्तावेजों की संलग्न करते हुए खजाना चालान संपादित करने का साध्य देने हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए एंड ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी: भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि गपए का निक्षेप भारतीय बैंक, टोकियो की अदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलवान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद सी ए ए एंड ए वित्त मंत्रालय और यह कि इसके तत्कालवाद सी ए ए एंड ए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबंध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर संपादित निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एम" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बंबई को भेजना चाहिए।

खंड-7 विविध व्यवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस को उपयोग करने की रिपोर्टें

आयातक का पोतलवान और उसके अधीन किए गए भुगतान और ग्रेप धनराशि के बारे में माख-पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सप्ताह लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजना चाहिए।

7(2) संभरकों को विशेष शर्तें अधिवृचित करना

लाइसेंसधारक को आयात लाइसेंस में दिए गए उन विशेष उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो लेन-देन करने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारक और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध II में "भुगतान की शर्तें" के अन्तर्गत अष्ट तर्ह से स्पष्ट कर लेन चाहिए। संविदा के शर्तों में विवाद के निपटान से संबंध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

7(4) भविष्य अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किम मामले या नम्र मामलों में संबंधित या आपत प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परियोजना सहायता) सं. आई टै. 31 के अधिन सभ. आधाराओं को आपत के विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई स एफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशों, अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारक को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) प्रतिरक्षण या उसलंघन

उपयुक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिश्रमण या उसलंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के प्रथम उचित कार्यवाई का जाएगा।

7(6) अनुबंधों का सूच.

- (1) अनुबंध-1 पात्र स्रोत देशों का सूच.
 (2) अनुबंध-2 अधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुबंध
 (3) अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
 (4) अनुबंध-4 साख पत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)
 (5) अनुबंध-5 साख पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

अनुबंध-1

पात्र स्रोत देशों का सूच

(क) विकासशील देश तथा उनका क्षेत्र

(क-1) विदेश, आर्थिक सहयोग से निम्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तर: सहारा
 मिश्र मोरोको तुनिसिया

2. अफ्रीका, दक्षिण: सहारा

अंगोला
 कैमरून
 चाड
 मध्य गिन (1)
 घाता
 कीनिया
 मालागासा गणतंत्र
 मालिनीया, मार शय
 पुर्नेता गिन
 युगाण्डा
 सेनेगल से
 सोमालिया
 टैरा आफरें श्री ईस्सास
 तनजानिया गणतंत्र संघ
 जाम्बिया
 थोत्सवाना
 केप वर्डी डीप समूह
 कम्बोरो डीप समूह
 इथोपिया
 गिन
 नेमोया
 मालावी
 मोजम्बिक
 रियूनियम
 गेट हेनिना श्रीर
 डेप (2)
 सेचिलीज
 सूडान
 टोनी
 अफर वोल्टा
 बुरुण्ड
 कम्बोय अफ्रीका गणतंत्र
 कौंगो, ड्राहोने का गणतंत्र
 जाम्बिया
 आइवरी कोस्ट
 लाइबेरिया
 माली
 नाइजर
 राजेनिया

माओ टोम और प्रिन्सिप
सिंगर निओन
स्वाजीय
युगाला
जोहरे गणतंत्र

3. अमेरिका, उत्तर और दक्षिण
बेहमस
बरमूडा
डोमिनिकन गणतंत्र
रवांडा
जमैका
लीबेरी डे अन्टिल ज
सेंट पियरे और मिकेलोन
सहारा राजम (1)
आंध्र (2)
आरवाडाज
क्रोएशिया
एम् सलवाडोर
हेत
मार्टिनिक
निकारगुवा
ट्रिनिडाड और
टोबागो
वेलाज
गयना
गुआटेमाला
होन्डुरस
मैक्सिको
पानामा
सेंट ह्यूज (शारा)—
एन आई ई

- (1) बहरे सैर, तिबू न प्रदेश फोल्डो पो द्विप सहित
(2) निम्नलिखित देश मर्जित —
अमेरिका, ट्रिनिडाड एा एंसेलस लाइटिनो, गफ
(3) मूख्य द्विप समूह, अन्तर्गत बोनाइरे, क्वराकोनो, माला, सेन्ट यूटापिट
सेन्ट मार्गटन (दक्षिण भाग)

4. दक्षिण अमेरिका
अर्जेंटीना
ब्राजिल
फ्रांसिसा गुयाना
पराग्वे
ओमानिया
कोलम्बिया
गुयाना
सुरिनाम
ब्राजिल
फाल्क लैण्ड द्विप समूह
पराग्वे
पेरू

5. मध्य-पूर्वी एशिया
अज़रबैजान
अर्मेनिया
जोर्जिया
अफगानिस्तान (2)
इराक

ओमान
यमन अरब गणतंत्र
जोर्डन सिरियाई अरब गणतंत्र
यमन जनवाद का
ड. आर (4)

6. दक्षिण एशिया
अफगानिस्तान
बर्मा
नेपाल
बंगला देश
भारत
पाकिस्तान
भूटान
माल द्विप
श्री लंका

7. मध्य पूर्वी एशिया
बहरेन
कोरिया गणतंत्र
मलेशिया
ताइवान
वियतनाम गणतंत्र
हांगकांग
लाओस
फिलिपाइन
थाइलैण्ड
वियतनाम जनवाद गणतंत्र
खमेर गणतंत्र
मकाओ
सिगापुर
तिमोर

8. ओसिनिया
कोक द्विप समूह
फ्रांसिसा, पोलिनेशिया (5)
न्यू इन्डिसिस (शि. और प्रु
पापुवा न्यू गिनी
वालिस और फुतुना
फिश
नारु
निरू
सोमोसन द्विप समूह (बा)
पश्चिम, सागोआ
गिल्बर्ट और इलाइस द्विप
न्यूकैलेडोनिया
कैलिफोर्निया द्विप समूह
(संयुक्त राज्य) (6)

9. यूरोप
साइप्रस
माल्टा
यूगोस्लाविया
जिब्राल्टर

लोग
न क
तुर्की

- (1) मुख्य रूप एन्टिगुवा, डोमिनिका, वेनेज़ा, सेंट किट्स (सेन्ट क्रिस्टोफो)] नेबिस-भंगुइला, सेंट लूसिया और सेंट क्रिस्ट
- (2) मेन आईलैण्ड मोन्तेसरत, सेमान, तुर्की और काहोव और ब्रिटिश रिजिन द्वीप समूह ।
- (3) अजमन, दुबई फुजाइरन, राम अल सेगाह, शरशाह और उप अल कवेवेन ।
- (4) अदन और ब्रिटिश सननन और अमोरात सहित ।
- (5) सोमायटी आई लैंडस समूह (ताहिती सहित) को शामिल करने हुए आस्ट्रल द्वीप समूह, टुवालू, जाम्बियर ग्रुप और माकेपस द्वीप समूह ।
- (6) पैसिफिक द्वीप समूह का ट्रस्ट प्रवेश, कारोलन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और मेरिना द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)

(क) 2-ओप ई स के संवत्स या सहयोग देश

अल्बेनिया
ग्रेकोन
बेस्पुइला
कुबैन
ब्राब-ब्राब,
बोलिविया
नाइज रिया
ईरान
कतर
इन्डोनेशिया
ल नियाई अरब गणतंत्र
इक्वेडोर
ईराक
सऊद अरब

अनुबंध 2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन

संख्या दिनांक

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय,
अधिक कार्य विभाग,
यू.सी.ओ बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय.—येन क्रेडिट सं. आई. पी. 31 (1984-85 के लिए परि-
योजना सहायता) के अंतर्गत जापान से का आयात

सहायक,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई. पी. 31 (परियोजना सहायता) के अधीन से आयात के सम्बन्ध में। बैंक का नाम जो कि वही होता चाहिए जो नीचे (क) में सम्बन्ध समुद्रपार संभरक के नाम में साख पत्र खोलने के लिए किया गया है, को प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित द्वारा प्रस्तुत करने हैं:—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या विनांक और मुख्य और वह तारीख जिस तक वैध है।

(ग) प्राप्ति के तरीके क्या वह सीधे क्रय या औपचारिक स्थानी अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है हमारे मामले में यदि कोई कारण हो तो, कारण सहित यह उल्लेख होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण

(ङ) माल का उद्गम देश

(च) यदि कोई हो तो, पत्र में इन स्त्रोत देशों के आयातित संघटनों का प्रतिशत।

(छ) संविदा या इन गृहाज पर्यन्त निशुल्क/लागत एवं भाग मूल्य (येन में)।

(ज) भारतीय एजेंटों के कमीशन की धनराशि (येन में) यदि कोई हो।

(झ) समुद्रपार संभरक को संध वास्तविक गृहाज पर्यन्त निशुल्क/लागत एवं भाग मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।

(ण) समुद्रपार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं विनांक।

(ट) समुद्रपार के संभरक का नाम और पता

(1) राष्ट्रिकता

(2) पत्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा लिए गए शेषों का प्रतिशत

(3) प्रतिनिधि की राष्ट्रिकता और/या संभरक का निवास स्थान।

(4) उन निवेशकों का प्रतिशत जो पत्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिक हैं।

(ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथियां जिनकी संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।

(ड) सुपुर्वगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि

(ढ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले बस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए)।

(ण) पोवलवान अनुदेश (वास्तुन्यरण/पर्ट-मिपांट को अनुमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए)।

(त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता

(य) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई हैं और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दी गई है, यदि हा तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संवर्ग जिसके अन्तर्गत ओ ई सी एफ को इसे अधिसूचित किया गया है।

(र) क्या माख-पत्र के मंत्रालय और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को वेब बैंक खर्च आगतकों/या संभरकों द्वारा वाहन किए जाने हैं।

(घ) आयातक द्वारा बचतखर्चता:-

"हम एतद्द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और वर से विदेशी संभरकों को बिना गुण भुगतान के समतुल्य रुपये को पूरा और मही जमा करने का बचत देने हैं। प्रत्येक निक्षेप माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्दगी सौंपने से पूर्व तत्काल ही घनराशियां जमा कराई जाएंगी। विदेशी राष्ट्रियता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में, दिए गए जमाओं विदेशी संभरकों के सम्बद्ध बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएंगे और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए। स्थिति घनराशियां जमा करा दी जाएंगी।

अनुबंध-3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

सं. एक

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय:- वेत क्रेडिट (परियोजना सहयता) ऋण करार सं. आई टी सी 31 के अधीन आयात माल पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ धिनोक का दिए गए समझौते को शर्तों के अनुसार आपको एतद्द्वारा यथासंलग्न ध्योरेके अनुसार सर्वथा के नाम में अधिकतम वेत घनराशि के लिए अपरिवर्तनीय मालात्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

आपको बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक मालात्र की प्रति आप तक के बैंक आई.टी.सी.एफ. भारतीय इलाहाबाद, टोकियो और नम पुंडीचर को जाए।

संलग्न की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा भुगतान के साथ जो ई.सी.एफ. की आवश्यक वस्तु वेंज सेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूति का दावा तत्काल करना चाहिए।

संभरकों का आपके द्वारा किये गये भुगतान की निधि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा आपकी उनकी प्रतिपूति की तिथि तक के बीच के समय के लिये परीचकाय में ले योग्य व्याज प्रसार भारत सरकार के लेख पर प्रभाव डाल बिना सहाय बैंकिंग सूचों के माध्यम से भारत में सम्बद्ध आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे।

बैंकों के अन्य खर्च जिसमें सखपव खोलने, रख-रखाव करने और माल पत्रों को जारी करने और सीदा संबंधी वस्तुवेंजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो, तो, विदेशी संभरकों के वेवरो के खर्चों में विदेशी आयातक/आयातक का तब देने पर्यंत और इसलिये आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिये उन्हें सीवे ही आयातक या संभरकों से प्राप्त किया जावे। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूति का दावा ओ.ई.सी.एफ. से नहीं किया जा सकता। जैसे ही आप कोई भुगतान करें और आपको उचित जवाबदा की जाए उसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस संलग्न को भेजनी चाहिए।

यह प्राधिकार पत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में माखपव खोलने के लिये है। माखपव से बाद में किये जाने वाले सहायन या इस प्राधिकार के सूदरे भविष्य के तब पखपव द्य संलग्न में विशेष प्राधिकार प्राप्त किये बिना वैध नहीं होंगे।

यह प्राधिकार पत्र-----तक वैध रहेगा।

भवरीय,

लेखा अधिकारी

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित -

1. आयातक----- को उनके पत्र सं.-----दिनांक----- के संदर्भ में।

उत्तरे अनुरोध है कि वे बैंकों में विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पहले निर्धारित वर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपये निक्षेप आदि जमा कराने का प्रबंध करें। यदि अपवाद स्वयं परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सीधे ही सीमा शुल्क और परतन प्राधिकारियों से मूल पोतलवान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिलीवरी लेने से पहले ही निवेदित की जाये चिरे। विदेशी राष्ट्रियों द्वारा दी गई सेवाओं के लिये भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिये अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिये जाएंगे। निक्षेप जम्दी ही और ठोस से न करने पर ल एवरेन की शर्तों में उल्लिखित आवश्यक कार्रवाही की जा सकती है।

2. आयातक के बैंक-----। उनमें निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया टोकियो प्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरकों को वेत भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें संभरकों को चुकाई गई घनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8 आई टी सी (पीएन)/76, दिनांक 17.1.76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को पया प्रचलित परिवर्तन की मिथिन दर पर की जाएगी। संभरकों को भुगतान करने की तिथि/बैंक आफ इंडिया की अशायमी की तिथि और जिस तिथि को मन्तरों लेख में मुख्य रुपया जमा किया जाए इनके बीच की अवधि के लिये प्रथम 30 दिनों के लिये 12% मायता की दर से और 30 दिनों से अधिक के लिये 18% मायता की दर से व्याज का हिसाब लगाकर वह भी भारत सरकार के लेख में सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पीएन)/83, दिनांक 10.8.83 के अनुसार जमा कराना होगा। व्याज दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरकों को भुगतान किया जाए और जिस दिन सरकारी लेख में रुपया जमा किया जाए, के लिए चुकाया जाएगा। (इस दर में यदि कोई परिवर्तन किया जायेगा तो उसकी सूचना दे दी जाएगी)।

यह घनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारी में जालान के वाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाने हुए जमा करनी चाहिये। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 30.8.68, 233 आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24.10.68, 132 आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5.10.71 सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31.5.74 एवं सं. 103 आई टी सी (पीएन)/76, दिनांक 12.10.76 में दिये गये तावशनों की आग दिव्य जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है "के डिपॉजिट एंड एडवांसिज-843-सिविल डिपोजिट-डिपोजिटस फार परसेजिज एटमेन्ट अग्रह एंडर परसेजिज अंडर प्रेडि/मोन एप्रिमेंट"-लोन फ्राम पि गवर्नमेंट आफ जापान 1.63 बिलियन येन (परियोजना सहायता) सं. आई डीपी।31 फार 1984-85 है।

जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132 आई

टीसी (पीएन)/71 दिनांक 5.10.71 के अनुसार तकद जमा किया जाना है, उनके चालन की मूल रूप में एक प्रतिनिधि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा में प्राप्त सूचना टिप्पणी व पूर्ण विवरण देने हुए अप्रैल पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजे जायेंगे :-

महायुक्त लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) पहली मंजूर
यू सी आ बैंक बिल्डिंग, मंगल मार्ग
नई दिल्ली- 110001

जिन मामलों में मुख्य रूप से ऊपर संकेतिक सांकेतिक सूचना स दिनांक 21.10.68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्टी द्वारा प्रेषित करता है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किये गये मुख्य रूप से का पूरा यौग इस विभाग को भेजना चाहिए।

संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओईसी एक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उमकी अवस्थिति की तिथि के बीच की अवधि के लिये बैंक आफ इंडिया, टोकियो का बैंक क्लर प्रसार आपके द्वारा सामान्य बैंक सूक्तों के माध्यम से भारत सरकार के लेख पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ निर्णीत किये जायेंगे।

- 1 निदेशक, ऋण विभाग-2 समझदार आर्थिक सहयोग निधि, टोकियो स्थित बिल्डिंग, 4-1, आटाटेमेची-1- कोमे, चियोडा-कू टोकियो-100 जापान।
- 4 भारतीय वृत्तव्यम टोकियो।
5. अवर सचिव जापान अंतर्भाग वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

अनुबंध-4

(प्रपत्र ओ ई सी एफ. एल सी)

अपतिवर्तनीय साख पत्र
(माल के लिए लागू)
दिनांक

सेवा में,

यह साख पत्र (ऋणी और निदेशी
आर्थिक सहयोग निधि के बीच
हुए ऋण करार सं०
दिनांक के
अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम सूचित करने हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए बीजक के पूरे मूल्य के लिए दर्शनी हुण्टी द्वारा उपलब्ध राशियां या ऋणों के लिए हमने अपतिवर्तनीय साख पत्र सं० खोल दिया है जो येन (..... येन यह सकते हैं) की कुल धनराशि में अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेज के साथ भेजा जाना है :-

दस्तावेज वाणिज्यिक बीजक

क्लोन भ्रान बोर्ड, समग्री पोत लवान बिल जिनमें दिए गए आदेशों का पूरा भेट हो बैंक पृष्ठोक्ति एवं चिह्नित "क्रेडिट एवं नोटिफिकेशन"

अन्य दस्तावेज जिनमें में तक लवान का सत्यापन किया गया हो (विदा सं० (यदि कोई हो) के संदर्भ में संक्षिप्त विवरण आंशिक पोतलवान स्वीकृत है बाह्योत्तरण स्वीकृत है।

पोतलवान बिल जो से बाद की तिथि का नहीं होता चाहिए आदेशों को तक अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर यह अंकन जाना चाहिए :-

"अपतिवर्तनीय साख पत्र स दिनांक 1971 के अंतर्गत निकलवाया गया और आयात संदर्भ सं० (संख्या) यदि कोई हो यह क्रेडिट हस्तात्तरणीय नहीं है।"

हम एतद्द्वारा बतान देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत और इसकी शर्तों का अनुपालन करने जारी किए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किए जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप में विस्तार पूर्वक न बताया जाए यह क्रेडिट मुक्तिकर्म फ्रेडम एंड प्रेक्टिस फार डाक्यूमेंट्री क्रेडिट्स [1974 रिजोलन] इंटरनेशनल चेम्बर आफ कामर्स पब्लिकेशन सं० 290 के अधीन है।

सौदा करने वाले बैंकों के लिए विशेष अनुदेश :-1. उपर्युक्त ऋण करार के अंतर्गत जारी किए गए बचत पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रति-पूति प्राप्त करने के बाद हम बतान देते हैं कि हम सौदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्ट की धनराशि को नौटा देंगे।

2. ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण भेट और इसके साथ एक प्रमाणपत्र यह बताने हुए लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा हमें भेजे जाने चाहिए। कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च आयातक/संभरक के लेख के लिए हैं।

भवदीय

(.....)

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा.....

प्राधिकृत हस्ताक्षर

अनुबंध-5

प्रपत्र ओ ई सी एफ.एल सी-II

अपतिवर्तनीय साख पत्र

(सवाओं के लिए लागू)

दिनांक

जाने,

..... यह साख पत्र ऋणी और
..... विदेशी आर्थिक सहयोग निधि
..... के बीच हुए ऋण करार सं०
(संभरक का नाम बताना) दिनांक
..... के अनुसरण में
जाने किया गया है।

प्रिय महोदय

हम आपको सूचित करने हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण भूयों के लिए लाभकारी ड्राफ्ट एंड साइट द्वारा उपलब्ध

रकम या रकमों के लिए आपके नाम में हमने आपास्तनीय माध्यम
सं० खोल दिया है जो येन
(येन पहले) की कुल धनराशि से अधिक
नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (सविदा
..... और परियोजना) से सर्वोच्च दम्मावेजों
की नक़्क़ा करना है सौदा तय करने के लिए ड्राफ्ट
से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दम्मावेजों आपास्तनीय माध्यम सं०
..... दिनांक के अन्तर्गत भुना लिए
गए हैं से चिन्हित होने चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं।

हम एतद्वारा वचन देने हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत ड्रॉफ्ट
शर्तों का अनुपालन करके भुनाए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर
और आवेगिनी को दम्मावेजों के सुपुर्देश पर विधिवत् स्वीकार किए
जाएंगे।

अब तक अन्यथा रूप से विचार पूर्वक न बताया जाए यह क्रेडिट
“यूनिफार्म कम्प्यूटेड प्रेसिडेंट फार ड्राफ्ट्स केडिट्स (1974 रिविज़न)
इंटरनेशनल चेम्बर ऑफ कॉमर्स नं० 290” के अधीन है।

सौदा कर वाले बैंक को विशेष अनुदेश :— 1. इसमें संलग्न
पत्र के अनुसार (शर्तों और इसके अंतर्गत अधिकारी) द्वारा जारी
किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के
अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के
अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त
निष्पादन के विवरण के अलावा लाभकारी विवरण की आवश्यकता है,

2. ऊपर उल्लिखित शर्त समझौते के अधीन जारी किए गए
वचनबद्धता पत्र के उपबंधों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि
से अपने भुगतानों के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बावजूद हम ड्राफ्टों की
धनराशि का लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों
के अनुसार परेपिन करने का वचन देने हैं।

3. उपर्युक्त सब 1 में या यथा उचित दम्मावेज की एक प्रति
और ससंदेह हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजा जाएगा।

4 इस साख के अंतर्गत बैंक के सभी खर्चों गणना को लेखों के
लिए हैं।

भवदीय,

(वार्णिष्मन् येन)

द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान की अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साख पत्र सं०
का एक अभिन्न अंग है।

1 प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन

कुल सविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित दम्मावेज लाभकारी विवरण की अंतिम भुगतान तिथि

2 भुगतान श्रृंखला

सम्पूर्ण योग की धनराशि येन

कुल सविदा मूल्य का प्रतिशत

निम्न प्रकार से भुगतान किए जाता है :

देन धनराशि

अंतिम भुगतान तिथि

येन
पहला किस्त येन येन
दूसरी किस्त येन येन
.....
(प्राधिकारी)

अपेक्षित दम्मावेज किए गए : (कृपया अवया उसके समोन्नीत
प्राधिकारी) द्वारा जारी किए
गए निष्पादन के विवरण की एक
प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

संदर्भ
सेवा में
.....
.....
.....
(संभवतः का नाम और पता)

संदर्भ :— शर्त कर सं० के अंतर्गत
..... परियोजना से संबंधित के नाम में
..... येन के लिए द्वारा जारी किए
किए गए साख पत्र की सं० दिनांक
..... में अधोहस्ताक्षरी प्रतिनिधि (शर्तों) एतद्वारा
..... और के बीच समझौता सं.
..... दिनांक में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार
समुद्रागत अधिक सहायता निधि द्वारा
की धनराशि (..... येन केवल)
प्राप्त करने के लिए एक निष्पादन विवरण जारी करता है

(.....)

(शर्तों)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL
PUBLIC NOTICE NO. 16-ITC(PN)85-88

New Delhi, the 14th June, 1985

Subject : Licensing Conditions in respect of imports of goods and services under the Yen Credit of Yen 1.63 Billion for the implementation of the Eastern Gandak Canal Hydro Electric Project of the Bihar State Hydro Electric Power Corporation Limited (BHPC) extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan.

File No. IPC/23(17)84-85.—The terms and conditions governing the issuance of import licences under the 1.63 Billion Yen Credit extended by the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Eastern Gandak Canal Hydro Electric Project of the Bihar State Hydro Electric Power Corporation Ltd. (BHPC) as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

S. I. TRIPATHI, Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX TO MINISTRY OF COMMERCE OF
PUBLIC NOTICE NO. 16-ITC(PN) 85-88,
DATED THE 14TH JUNE, 1985

Licensing conditions in respect of Imports of Goods and services under the Yen credit of Yen 1.63 billion for the implementation of the eastern Gandak Canal Hydro Electric Project of the Bihar State Hydro Electric Power Corporation Limited (BHPC) extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan.

Section I—General Conditions

I (i) The Yen Credit of Yen 1.63 billion extended by the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Eastern Gandak Canal Hydro-Electric Project of the BHPC is untied in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence (s) under the Credit can be issued only of such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 1.8 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to

the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P31". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from the CCI&E forwarding the import licence to BHPC, a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of BHPC on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of BHPC more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 1.8 billion (CIF) as specified at (i) above

I (v) Licences for import of Capital Goods may be issued with an initial validity period of 24 months. Any request for extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment forwards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-1 and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. On Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be related by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance,

North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-88.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II(i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) The procurement of all goods and services to be financed under the OECF Yen Credit for Eastern Gandak Canal Hydroelectric Project shall be made in accordance with the Guidelines for procurement under the OECF Loan.

(a) The importer shall procure goods and services to be financed out of the proceeds of the loan through Formal Open International Tendering.

(b) The importer shall obtain the prior approval of the Fund if the importer wishes to adopt procurement procedures other than Formal Open International Tendering submitting to the Fund and Application for Approval of Procurement Method(s) signed by a duly authorised person, through the Department of Economic Affairs.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P31 for 1984-85 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department

of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty per cent (30 per cent) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I, the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in———(name of eligible source country).

I, the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30 per cent) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that———(Name of company) has been incorporated and registered in———(name of eligible source country), and is controlled by nationals of———(name of eligible source countries concerned)"

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

(a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 26th December 1984 concerning the Yen Credit No. ID-P.31 (Project Aid) for Eastern Gandak Canal Hydroelectric Project of BHPC and will be subject to the approval of Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund.

(b) Payments to the supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under

the Loan Agreement No. ID-P.31 dated 26th December, 1984 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).

- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Contract Approval by OECF

IV (i) Within the stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both BHPC and the suppliers supported by order confirmation in writing by the supplier or their photo copies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant valid import licence, to Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract documents to the OECF for their approval for financing under Yen Credit No. ID-P.31 (Project Aid) for Eastern Gandak Canal Hydroelectric Project of the BHPC.

Section V—Payment to the overseas suppliers—

Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the intimation of the contract approval from the OECF, by the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, BHPC and the CAA & A will be informed of the same. Whereafter the BHPC should approach the Controller of Aid Accounts & Audit, (hereinafter referred to as CAA & A), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi with a request in the form attached as Annexure-III for issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached

as Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to OECF, the Embassy of India, Tokyo, BHPC, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA & A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA & A would inso-facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the supplier importer. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE of the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit :—

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated @ 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both

the days i.e. the day on which payments is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/74 dated 12-10-1976.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 109-ITC(PN)/74 dated 3-8-1974 and No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-7-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&L or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—843-Civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—purchase under credits/Loan agreements" Loan from the Government of Japan—1.63 Billion Yen Credit No. 1D-P. 31 for the Eastern Gandak Canal Hydroelectric Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1963, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances

and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury Challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currently in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the Rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VII—Miscellaneous provisions

VII (i) Reports on the utilization of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the Supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit

Agreement (Project Aid) No. ID-P. 31 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures

Annexure—I—List of eligible source countries
Annexure—II—Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III—Form of Letter of Authority.

Annexure—IV—Form of Letter of Credit (Applicable to Imports).

Annexure—V—Form of Letter of Credit (Applicable to services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a1) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt.
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of

Angola
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of
Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali +
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger

Portuguese Guinea

Reunion

Rhodesia

Rwanda

1. Formerly the territory of Spanish Guinea, including the Island of

St. Helena and dep(2)

Sao Tomo and Principe

Senegal

Seychelles

Sierra Leone

Somalia

Sudan

Swaziland

Terro. Afars and Issas

Togo

Uganda

Un. Rep. of Tanzania

Upper Volta

Zaire Republic

Zambia

III. AMERICA, North and Central

Bahamas

Barbados

Belize

Bermuda

Costa Rica

Cuba

Dominican Republic

El Salvador

Guadelope

Guatemala

Haiti

Honduras

Jamaica

Martinique

Mexico

Netherlands Antilles

Nicaragua

Panama

St. Pierre & Miquelon

Trinidad and Tobago.

2. Including the following

Islands : Ascension,
Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

3. Main Islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba,
St. Eustacit St. Martin (Southern part).

AMERICA, North & Central
(Continued)

West Indies (Br.) n.e.

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina

Bolivia

Brazil

Chile

Colombia

Falkland Islands

French Guiana

Guyana

Paraguay

Peru

Surinam

Uruguay

ASIA, Middle East

Bahrain

Israel

Jordan

Lebanon

Oman

Syrian Arab Republic

United Arab Emirates (3)

Yemen Arab Republic

Yemen, Peoples D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan

Bangladesh

Bhutan

Burma

India

Maldivis

Nepal

Pakistan

Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei

Hong Kong

Khmer Republic

Korea, Republic of Laos

Macao

Malaysia

Philippines

Singapore

Taiwan

Thailand

Timor

Viet-Nam, Rep. of

Viet-Nam Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands

Fiji

Gilbert & Ellice Is.

French Polynesia (5)

Nauru

New Caledonia

New Hebrides (Br. and Fr.)

Niue

Pacific Islands (US) (6)

Papua New Guinea

Solomon Islands (Br.)

Tonga

Wallis and Futuna

Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus

Gibraltar

Greece

Malta

Spain

Turkey

Yugoslavia

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main Islands, Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.

3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

4. Including Aden and various sultanates and emirates.

5. Comprising the Society of Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).

(a2) Member or Association Countries of OPEC

Algeria

Bolivia

Libyan Arab Republic

Gabon

Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia

ANNEXURE—II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date :

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
ECO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Sub Import of _____ from Japan under the
Yen Credit No. ID-P. 31 (Project Aid for
1984-85)

Sir,

In connection with the import of _____ from _____
under the above mentioned Yen Credit No. ID-P. 31
(Project Aid) we furnish the following particulars to
enable you to issue the Letter of Authority to the
_____ (name of the Bank) which should
be the same as given in (b) below for opening a letter
of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian Importer
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is a based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods
- (e) Origin of the goods
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents' commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.

(k) Name and address of the Overseas Supplier :

- (i) Nationality
- (ii) Percentage of the shares held by Nationals of the eligible source countries.
- (iii) Nationality of the representative and/or President of the supplier.
- (iv) Percentage of Directors who are nationals of eligible source countries.
- (l) Payment terms and probable date on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit borne by the Importers/or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full correct deposit of the rupee equivalent of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the Payments made to the suppliers."

ANNEXURE III

(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P. 31—Issue of

Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring M/s. _____ as per attached details.

A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the Importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

This Letter of Authority will remain valid upto _____.

Yours faithfully,
(Account Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importer's Banker—_____. They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-76 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right and corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—843—Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 1.63 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P.31 for 1984-85.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132—ITC(PN)/71 dated 5-10-71, should be sent by them to address given below along with a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the

Bank of India, Tokyo by the OFCF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE IV

Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Goods)

Date

To,

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ Dated _____ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any) from _____ to _____ Partial shipments are permitted. Transshipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than _____ Drafts must be presented for negotiation not later than _____ All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under _____ irrevocable credit No. _____ dated _____ and Import Referee No. (s) _____ (if any) This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision). International Chamber of Commerce Brochure No. 290."

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued, thereby under the abovementioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

_____ (a commercial bank)

By : _____

(Authorized Signature)

ANNEXURE V

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

To,

(Name and address of the Supplier)

Date

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____, between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Statement of Performance:

Date

Ref. No.

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By :

(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount Yen _____
being _____ % of the total contract price

Required documents : beneficiary's Statement

Latest presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount: Yen _____
being _____ % of the total contract price to be paid as follows :
Amount due Latest presentation

1st Instalment : Yen _____

2nd Instalment : Yen _____

Required document : A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

To,

(Name and Address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. _____ dated _____
issued by _____
for Yen _____ in favour of _____
concerning _____ Project under
Loan Agreement No. _____

I, the under signed, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of Yen _____ (Yen _____ only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____ dated _____ between _____ and _____

(Borrower)

By : _____
(Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes and integral part of our Letter of Credit No. _____.

I. Initial Payment

Amount : Yen _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Yen _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen _____
being _____ % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.